संतोष शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
SANTOSH SHARMA
Chairman-cum-Managing Director

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
HINDUSTAN COPPER LIMITED
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)
ताम्र भवन/TAMRA BHAVAN
1, आशुतोष चौधरी एवेन्यू,
1, ASHUTOSH CHOWDHURY AVENUE
कोलकाता/KOLKATA - 700 019
दूरभाष/Phone : (033) 2283-2725/2281-6222
फैक्स/Fax : (033) 2283-2862
मोबाईल/Mobile : 9433001146
ई मेल/E-mail : santoshsharma@hindustancopper.com

संदेश

सितम्बर 1, 2017

मेरे प्रिय सहकर्मियों,

एचसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण करने के अवसर पर मैं आप सभी को बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

हाल ही में, खराब बाजारी हालत के कारण हम एक बड़े कठिन दौर से गुजरे हैं और मैं आप सभी द्वारा इस दौरान किए गए कार्य के लिए प्रशंसा करता हूँ। पर, हम इससे आत्मसंतुष्ट नहीं हों तथा हमें वर्तमान के कम एलएमई मूल्यों के परिदृश्य में एचसीएल को जीवंत बनाए रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखना है । इस विषय में, हमें सभी क्षेत्रों में उत्पादकता को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा, जिससे हम लागत के अनुसार प्रतिस्पर्धात्मक बने रहें ।

हिन्दुस्तान कॉपर हमेशा नए विचारों का स्वागत करता है तथा मैं अपने सहकर्मियों को आगे आकर गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए लागत में कमी सहित उत्पादकता को बढ़ाने हेतु नए सुझाव एवं विचारों को देने हेतु प्रेरित करता हूँ ।

इस विषय पर, मैं आपसे एक विचार बांटना चाहता हूँ कि, ऐसे अनेक सुझाव हो सकते हैं, जो कि सामान्य प्रकार के हों और दैनिक कामकाज के बीच कहीं भुला दिए गए हों । पर, इनमें से कई ऐसे हैं, जो कि चल रही रणनीति का अंश हैं, जिन पर जोर दिया जाना चाहिए।

मेरा यह दृढ़ विचार है कि, इकाई एवं विधा के परे, हमें उपजे अच्छे विचारों को ग्रहण करना चाहिए तथा उनका क्रियान्वयन करना चाहिए। इससे लोगों में एकमत की भावना जागेगी तथा वो लोग एचसीएल के सम्पूर्ण लाभ की ओर और भी अधिक लगन एवं जागृति सहित कार्य करेंगे ।

मैं, हमारे व्यवसाय के लिए निर्धारित लक्ष्यों को अवधिनुसार परिणामों में परिवर्तित करने पर जोर देना चाहूँगा । हमें आने वाले वर्षों में, चल रही खान विस्तर परियोजनाओं को तेजी से पूरा करना होगा । आईसीसी की बंद पड़ी केंदाडीह एवं राखा खानों का पुनरारम्भ तेजी से किया जाएगा । जीसीपी की पूरी क्षमता भी इस वित्त वर्ष में प्राप्त कर ली जाएगी।

हमारी विधियों के तकनीकी-वित्तीय प्राचलों को सुधारने के अलावा, हमें तांबे की पुनर्प्राप्ति के दौरान सह उत्पादों के रूप में अन्य खनिजों की प्राप्ति की क्षमता पर भी काम करना होगा । एमसीपी की तरह से ही, कॉपर ओर टेल्स प्रसंस्करण के संयंत्र शीघ्र ही केसीसी तथा आईसीसी में भी स्थापित किए जाएंगे।

मैं, एचसीएल परिवार से लक्ष्य स्थापित करने का अनुरोध करता हूँ तथा हमारी कम्पनी के लिए अगले दो वर्षों में "नवरत्न" का दर्जा हासिल करने हेतु सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन देता हूँ । आगामी समय में आप सभी के साथ एक अर्थपूर्ण विचार-विमर्श की आशा है ।

शुभकामनाओं सहित,

(संतोष शर्मा)
अप्रनि